

॥ ओ३म् ॥

प्रबोधद्युमण्युदयः

अध्यात्मक नाटकः

श्रीमत् पण्डित मन्नूलाल मिश्र संस्कृता-  
ध्यापक हाईस्कूल उरई के ज्येष्ठ भ्रातृ  
श्रीमत्पण्डित मातादीन मिश्रात्मज

पण्डित उमादयाल मिश्र

विरचितः

गुणीगुणंवेत्तिनवेत्तिनिर्गुणो वलीवलंवेत्तिनवेत्तिनिर्धलः  
पिकोवसन्तस्यगुणं न वायसःकरी च सिंहस्य वलं न मूपकः  
चिदानन्दसर्वज्ञप्रभु विनयकरौ करजोर ।  
काहूनिर्गुणहाथमहँ ग्रंथजायनहिमोर ॥

दूसरीबार

लखनऊ

मुंशी नवलकिशोर ( सी, आई, ई ) के छापेखाने में छपा

अक्टूबर सन् १९०९ ई० ॥

हकतसनीफ महफूजहै वहक इस छापेखाने के ॥